

नाद-मुद्रा स्त्री. (तत्.) तंत्र विद्या के अंतर्गत की जाने वाली एक विशेष प्रक्रिया जिसमें दाहिने हाथ का अंगूठा सीधा और खड़ा रखा जाता है और मुट्ठी बंधी रहती है।

नादली स्त्री. (अर.) एक विशेष प्रकार का पत्थर जो रोग या बाधा दूर करने के लिए गले या बॉह में पहना जाता है।

नादविद्या स्त्री. (तत्.) संगीतशास्त्र।

नादसौंदर्य पुं. (तत्.) ध्वनि या शब्दों की मधुरता काव्य. शब्द-भाव के उचित संयोजन एवं चयन से उत्पन्न माधुर्य।

नादात्मक वि. (तत्.) 1. नाद या ध्वनि संबंधी 2. नादमय, ध्वनिमय।

नादान वि. (फा.) 1. अवस्था में कम होने के कारण जो जल्द समझ न सके, नासमझ 2. जो अकुशल या अनाड़ी हो 3. मूर्ख, जड़ बुद्धि।

नादानिस्ता क्रि.वि. (फा.) 1. बिना जाने-समझे 2. अनजाने में।

नादानी स्त्री. (फा.) 1. अज्ञानता, मूर्खता 2. अनाड़ीपन, अकुशलता 3. मूर्खतापूर्ण कोई कार्य।

नादानुप्राणित वि. (तत्.) नाद, ध्वनि से युक्त या परिपूर्ण।

नादार वि. (फा.) जिसके पास कुछ न बचा हो, बहुत निर्धन, कंगाल पुं. बिना रंग या बिना मीर की बाजी।

नादारी स्त्री. (फा.) नादार होने की अवस्था या भाव, गरीबी, निर्धनता।

नादि वि. (तत्.) 1. गरजने वाला 2. शब्द या ध्वनि करने वाला।

नादित वि. (तत्.) 1. जो ध्वनि से परिपूर्ण किया गया हो 2. शब्द करता हुआ, बजता हुआ 3. गुंजायमान होता हुआ।

नादिम वि. (अर.) 1. लज्जित, शर्मिदा 2. पश्चाताप करने वाला।

नादिया पुं. (तद्.) 1. नंदी, शिव का वाहन 2. वह विकृत या विलक्षण अंग वाला बैल या सांड जिसे जोगी अपने साथ लेकर भीख माँगने निकलते हैं।

नादिर वि. (फा.) 1. विचित्र, अनोखा, विलक्षण 2. श्रेष्ठ, उत्तम।

नादिरशाह पुं. (अर.) पारस (फारस) का रहने वाला एक नृशंस राजा जिसने मुहम्मद शाह के समयकाल में भारत पर आक्रमण किया था, यह अपनी क्रूरता के लिए प्रसिद्ध था, इसने एक छोटे विवाद या कारण होने पर क्रोधित हो दिल्ली के लाखों निवासियों की हत्या करवाई थी।

नादिरशाही स्त्री. (अर.) 1. नादिरशाह का ऐसा बर्बर एवं क्रूर व्यवहार जिसमें उसने दिल्ली के लाखों निवासियों की हत्या करवाई थी 2. मनमाने ढंग से या निर्दयतापूर्वक किया गया आचरण या व्यवहार।

नादिरी वि. (अर.) 1. नादिरशाह से संबंधित 2. अत्याचारपूर्ण और क्रूरतापूर्ण स्त्री. 1. एक प्रकार की कुरती जो मुगल बादशाहों के काल में पहनी जाती थी पुं. गंजीफे का ऐसा पत्ता जो खेल के समय निकालकर रखा जाता था मुहा. नादिरी चढ़ाना- बहुत बुरी तरह से मात देना।

नादिहंदी स्त्री. (फा.) नादिहंद होने की अवस्था या भाव, लिया हुआ पैसा वापिस करने में टाल-मटोल करना।

नादी वि. (तत्.) 1. नाद, ध्वनि या शब्द संबंधी पुं. 1. ध्वनि या शब्द करने वाला 2. बजाने वाला।

नादेय वि. (तत्.) 1. नदी से संबंधित 2. नदी में होने वाला पुं. 1. सेंधा नमक 2. सुरमा 3. कास नामक घास।

नादेयली स्त्री. (अर.) दे. नादली।

नादेयी स्त्री. (तत्.) 1. जलबैत 2. भुईं जामुन 3. नारंगी 4. वैजयंती 5. जपा 6. अग्निमंथ वि. 'नादेय' का स्त्री।

नान स्त्री. (फा.) 1. खमीरी रोटी, तंदूर में पकायी जाने वाली एक प्रकार की मोटी खमीरी रोटी।

नानक पुं. (देश.) 1. सिक्ख संप्रदाय के आदि गुरु वि. ननिहाल में जन्मा बालक।